

न्यायालय सहायक कलक्टर (S.D.O.), गुड़ामालानी
पीठासीन अधिकारी—श्री दिनेश विश्नोई R.A.S.

प्रकरण संख्या :-91/2019

वादीगण

राणाराम पुत्र प्रतापाराम
जाति पुरोहित निवासी रतनपुरा तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर

बनाम

प्रतिवादीगण

1. प्रतापाराम पुत्र भीमा
2. जबराराम पुत्र ~~भीमा~~ प्रतापाराम
3. आदाराम पुत्र भीमा
जाति पुरोहित निवासी रतनपुरा तहसील गुड़ामालानी जिला बाड़मेर
4. शाखा प्रबन्धक एस.बी.आई. शाखा गुड़ामालानी
5. तहसीलदार गुड़ामालानी

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम
सपठित हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 6
वास्ते घोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा

उपस्थित :-

1. श्री रामजीवन विश्नोई अधिवक्ता वादीगण

--: निर्णय ::--

दिनांक :- 13/9/19

वादी ने यह वाद राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 88, 188 स.प. धारा 6 हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम का पेश किया। प्रस्तुत वाद संक्षिप्त में इस प्रकार से है कि वादीगण तथा प्रतिवादीगण संख्या 1 से 3 एक ही परिवार के सदस्य है तथा हिन्दु विधि से शासित होते है।

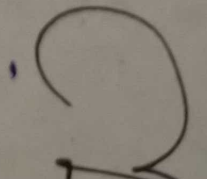
वादी व प्रतिवादी संख्या 1 से 3 का पैतृक व संयुक्त खातेदारी व कब्जा काश्त की भूमि मौजा रतनपुरा पटवार हल्का रतनपुरा तहसील गुड़ामालानी के खेत खसरा नम्बर 81/4 रकबा 21-04 बीघा व मौजा मघाणी मेगवालों की ढाणी के खेत खसरा नम्बर 207 रकबा 20-18 बीघा, खसरा नम्बर 352 रकबा 4-16 बीघा, खसरा नम्बर 408 रकबा 5-10 बीघा वक्त सैटलमेंट से आया हुआ है। भू प्रबन्ध संवत 2012 में वादी के दादा पूर्व पुरुष स्वर्गीय भीमा के नाम पर्चा लगान जारी होकर खातेदारी रेकॉर्ड संभल हुआ। वादी के दादा भीमा का देहान्त हुआ तब उक्त आराजी वादी के पिता प्रतिवादी संख्या 1 व उनके भाई प्रतिवादी संख्या 3 के नाम विरासत में फौतगी का नामान्तरण खोला गया। उक्त वादग्रस्त आराजी में वादी का 1/6, प्रतिवादी संख्या 1 का 1/6 एवं प्रतिवादी संख्या 2 का 1/6 हिस्सा तथा प्रतिवादी संख्या संख्या 1/2 हिस्सा है। इसी हिस्से अनुसार वादी व



तारीख
हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

13/08/19 वकील वारी उपस्थित वारी की साक्ष्य
द्वारा वारी सागरात रविकर उपस्थित। वारी
की साक्ष्य में वारी सागरात के कथान
कलमबद्ध करवाए गए। उक्त वारी हेतु
के न्यायालय के उपस्थित होकर
लिखित कथन कर वारी के लाल-कार
उत्तिका होकर। व 2 के भी साक्ष्य
को धारा 141 के तहत का विवेक किया
वकील वारी के कथन सुनी गई।
विधि तालक के लिखित कथन
सुनने न्यायालय सुनकर गण।
विधि कथन वारी है। कथान लिखित
सुनकर होकर साक्ष्य स्फुल है।


सहायक कलेक्टर
(S.D.O.)